चित्रकला और मूर्तिकला में बहुत कम पार्थक्य है। मूर्तिकला में कलाकार अनेक भाव का दिग्दर्शन कराता है। मूर्तिकला तथा चित्रकला का यह विशेषता है कि निर्जीव चित्र या मूर्ति में सजीवता आ जाती है।

(4) काव्यकला काव्यकला में चित्रकला तथा मूर्तिकला दोनों का समावेश है जो अति सूक्ष्म रूप से विद्यमान रहता है, कोई विषय को लेकर काव्य का सृष्टि करता है। काव्य कला और संगीत में घनिष्ट सम्बन्ध है।

(5) संगीत संगीत वह ललित कला है जिसमें संगीतज्ञ अपने मन की भाषा एवं भावनाओं को स्वर-लय-तथा ताल के माध्यम से व्यक्त करते हैं। अन्य ललित कलाओं में से संगीत का स्थान सबसे ऊपर इसलिए है कि संगीत कला अत्यन्त विस्तृत एवं व्यापक है।

संगीत कला के माध्यम से जो भाव चित्रण किया जाता है उनमें वास्तु, मूर्ती चित्र तथा काव्य इन चारों कलाओं का प्रतिबिम्ब पाया जाता है। संगीत बिना काव्य का अस्तित्व में नहीं है। इसी प्रकार यदि काव्य से संगीत का तत्वों को निष्कासित कर दिया जाय तो उसका सारा काव्यत्व समाप्त हो जाएगा।

संगीत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि अन्य ललित कलाओं के अपेक्षा इसके सौंदर्यबोध से चेतन तथा अचेतन दोनों